2014

HINDI

(Major)

Paper : 5·1

(Hindi Ka Upanyas Sahitya)

Full Marks : 60

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×7=7

(क) 'कर्मभूमि' के अलावा प्रेमचन्द द्वारा लिखित किन्हीं दो उपन्यासों के नाम बताइए।

(ख) 'चित्रलेखा' उपन्यास के रचयिता का नाम बताइए।

(ग) 'कर्मभूमि' उपन्यास का प्रमुख नारी-पात्र कौन है?

(घ) 'मैला आँचल' उपन्यास का प्रकाशन-काल क्या है?

(ङ) देवकीनन्दन खत्री द्वारा रचित किसी एक उपन्यास का नाम लिखिए।

(च) रत्नाम्बर किस उपन्यास का पात्र है?

(छ) अमरकान्त के पिता का नाम क्या था?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×4=8

(क) सुखदा कौन थी? उसकी माता का नाम बताइए।

(ख) 'चित्रलेखा' उपन्यास के दो प्रमुख पुरुष-पात्रों के नाम तथा उनकी दो-दो विशेषताएँ बताइए।

(ग) "सकीना काढ़ने के काम में बहुत होशियार मालूम होती है।" किसने किससे ऐसा कहा था?

(घ) जैनेन्द्र कुमार द्वारा रचित किन्हीं चार उपन्यासों के नाम लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : 5×3=15

(क) आंचलिक उपन्यास की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) प्रेमचन्द-पूर्व हिन्दी उपन्यासों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) उपन्यास की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप का विवेचन कीजिए।

(घ) 'कर्मभूमि' उपन्यास के नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

(ङ) 'चित्रलेखा' उपन्यास की लोकप्रियता के कारणों का उल्लेख कीजिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

जो कुछ मनुष्य करता है, वह उसके स्वभाव के अनुकूल होता है और स्वभाव प्राकृतिक है। मनुष्य अपना स्वामी नहीं है, वह परिस्थितियों का दास है—विवश है। कर्त्ता नहीं है, वह केवल साधन है। फिर पुण्य और पाप कैसा?

अथवा

"कठिनाइयों पर विजय पाना पुरुषार्थी मनुष्यों का काम है अवश्य; मगर कठिनाइयों की सृष्टि करना, अनायास पाँव में काँटे चुभाना कोई बुद्धिमानी नहीं है।"

5. 'चित्रलेखा' उपन्यास में अभिव्यक्त पाप-पुण्य सम्बन्धी विचारों पर अपना मत व्यक्त कीजिए। 10

अथवा

कुमारगिरि का चरित्र-चित्रण कीजिए।

6. पात्र-योजना की दृष्टि से 'कर्मभूमि' उपन्यास की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

'कर्मभूमि' उपन्यास में अंकित देश की समस्याओं का विवेचन कीजिए।

★★★